University in News on 18 January 2021

University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

HINDUSTAN PAGE 6

● एक कैंपस राजधानी में तो दो होंगे सीतापुर में ● बाजार और उद्योग की मांग के हिसाब से कोर्स पढ़ाए जाएंगे

लखनऊ विश्वविद्यालय को मिले तीन नए कैंपस

अच्छी खबर

लखनऊ विश्वविद्यालय को जल्द ही नए कैंपस मिलेंगे।

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय को तीन नए परिसर मिल गए हैं। इसमें एक लखनऊ और दो सीतापुर में हैं। खास बात यह है कि इन परिसरों में बीए, बी.कॉम जैसे पारम्परिक कोर्स पढ़ाने के बजाए बाजार एवं उद्योग की मांग के हिसाब से पाठ्यक्रम पढ़ाए जाएंगे।

शासन ने साफ किया है कि पाठ्यक्रम चुनते समय स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान रखना होगा। अपर मुख्य सचिव मोनिका एस गर्ग ने विश्वविद्यालय को शैक्षिक सत्र 2021-22 एवं आगामी सत्रों से संघटक महाविद्यालय के रूप में संचालन को लेकर कार्य योजना प्रस्तुत करने को कहा है।

इस सूची में राजकीय महाविद्यालय लतीफनगर सरोजनीनगर, राजकीय महिला महाविद्यालय ठाकुर नगर, मिश्रिख सीतापुर और राजकीय महिला महाविद्यालय शेख सराय सीतापुर शामिल हैं। राजकीय महाविद्यालय लतीफनगर, सरोजनीनगर के निर्माण की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ लिमिटेड के पास है। अभी करीब 26 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हुआ है। राजकीय महिला महाविद्यालय ठाकुर नगर, मिश्रिख सीतापुर के निर्माण की जिम्मेदारी निर्माण निगम लिमिटेड को दी गई है।

41 फीसदी निर्माण कार्य पूरा हुआ है मिश्रिख के महाविद्यालय का

26 प्रतिशत बनकर तैयार हो गया सरोजनीनगर का महाविद्यालय

अभी है सिर्फ एक संघटक महाविद्यालय

लविवि के पास कला एवं शिल्प महाविद्यालय वर्तमान में सिर्फ एक संघटक महाविद्यालय (कॉन्सटीट्यूट कॉलेज) है। यह संस्थान फाइन आर्ट्स के लिए देश दुनिया में जाना जाता है। इसी तरह से लखनऊ विश्वविद्यालय अपने इन तीन नए परिसरों में विशेषज्ञता वाले पाठ्यक्रमों का संचालन करेगा। सरकार ने भी साफ किया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप ऐसे संकाय खोलें जो वर्तमान में विश्वविद्यालय में नहीं हैं।

संचालन की पूरी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय की होगी

राजकीय महिला महाविद्यालय शेख सराय सीतापुर के निर्माण की जिम्मेदारी आवास एवं विकास परिषद को सौंपी गई है। यहां 78 प्रतिशत तक कार्य पूरा हो चुका है। निर्माण के बाद यह संस्थाएं विश्वविद्यालय को सौंपी दी जाएंगी। इन पर प्रशासकीय, वित्तीय और शैक्षणिक नियंत्रण विश्वविद्यालय का होगा। लैब बनाने से लेकर अन्य आवश्यकताओं को सरकार पूरा करेगी लेकिन, इनके संचालन की पूरी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय की होगी।

जिम्मेदार बोले

"शासन की ओर से तीन निर्माणाधीन महाविद्यालयों को एलयू के संघटक महाविद्यालय के रूप में संचालित करने की बात कही गई है। कोशिश है कि यहां ऐसे पाठ्यक्रम संचालित किए जाएं जो स्थानीय जरूरतों, बाजार और उद्योग की मांग को पूरा करें।"

- प्रो.एके राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय

क्रिकेट: एलयू को राजभवन ने शिकस्त दी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीम और राजभवन की क्रिकेट टीम के बीच रविवार को एक सद्भावना क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। टॉस जीतकर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया।

राजभवन की टीम ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन दिखाते हुए 12 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 72 रन एकत्रित किए। राजभवन की ओर से कप्तान अशोक देसाई ने सर्वाधिक 44 रन बनाए। विश्ववद्यालय टीम से विपुल मिश्रा ने 3 ओवर में मात्र 10 रन देकर 2 विकेट और राजीव ने 3 विकेट चटकाए। जवाबी पारी में लखनऊ विश्वविद्यालय को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। लखनऊ विश्वविद्यालय ने 11.3 ओवरों में सभी विकेट खोकर केवल 29 रन बनाये। राजभवन की ओर से प्रभाकर पांडेय ने सर्वाधिक 2 विकेट लिए और 4 विकेट रन आउट हुए। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दोनों दलों को एक शानदार सद्भावना मैच के लिए बधाई दी।

I-NEXT PAGE 2 & 4

क्रिकेट मैच में राजभवन की टीम ने लखनऊ यूनिवर्सिटी की टीम को दी करारी मात

● जीत के बाद विक्ट्री सिंबल दिखाती राजभवन की टीम.

राजभवन के आगे न टिक सकी एलयू

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (17 Jan): रविवार को लखनऊ यूनिवर्सिटी की टीम ओर राजभवन की टीम के बीच क्रिकेट मैच खेला गया जिसे राजभवन की टीम ने आसानी से जीत लिया. गवर्नर आनंदीबेन पटेल ने राजभवन की टीम को एक लाख और एलयू की टीम को 51 हजार रुपए की राशि के पुरस्कार देने की घोषणा की है.

एलयू ने जीता टॉस

टॉस एलयू की टीम ने जीता और वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने पहले फिल्डिंग का फैसला किया. राजभवन की टीम ने 12 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 72 रन बनाए, राजभवन की ओर से कप्तान अशोक देसाई ने सर्वाधिक 44 रन का योगदान दिया. एलयू की ओर से विपुल मिश्रा ने दो और राजीव ने तीन विकेट लिए.

29 रन पर सिमटी टीम

लक्ष्य का पीछा करने उतरी एलयू की टीम राजभवन की टीम के बॉलिंग अटैक के सामने बेबस दिखी और पूरी टीम 11.3 ओवर में सभी विकेट खोकर सिर्फ 29 रन ही बना सकी. चार खिलाड़ी रन आउट हुए. वहीं राजभवन के प्रभाकर पांडेय ने दो विकेट लिए. एलयू की ओर से सर्वाधिक 6 रन डॉ. विद्यानंद ने बनाए.

बनेंगे यूजी और पीजी के नए ब्लॉक

GOOD NEWS

दो बिल्डिंग में एक साथ लगेगी यूजी और पीजी की क्लास

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (17 Jan): लखनऊ यूनिवर्सिटी में राजनीति शास्त्र विभाग से समाज शास्त्र की क्लास तक में करीब एक किमी का सफर तय करना होता है. साथ ही यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स की बढ़ती संख्या को देखते हुए एलयू प्रशासन जल्द इंफ्रास्ट्रक्चर में इजाफा करने जा रहा है. यूनिवर्सिटी में ओएनजीसी ब्लॉक की तर्ज पर आधुनिक बिल्डिंगें बनवाई जाएंगी. जिसमें यूजी और पीजी ब्लॉक बनेंगे और सभी विषयों की क्लास एक साथ लगेगी.

मिलेंगी ये सुविधाएं

● कैंटीन ● आधुनिक टॉयलेट ● सीसीटीवी ● ऑनलाइन लर्निंग सिस्टम

फिर से भेजा प्रस्ताव

वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि कॉमर्स विभाग की बिल्डिंग की स्थिति ठीक नही है. इसके जीर्णोद्धार को लेकर कुछ समय पहले शासन को प्रस्ताव भेजा गया था मगर कोई भी उत्तर नही आया. इस प्रस्ताव को नए सिरे से शासन को भेजा जा रहा है. कॉमर्स विभाग में स्टूडेंट्स की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है. इसकी पुरानी बिल्डिंग की हालात काफी खराब हो चुकी है. कई कमरों की दीवारों को फाड़कर पीपल के पौधे तक निकल आए हैं.

"अभी कई जगह यूजी और पीजी की क्लास एक ही रूम में हो रही हैं. इसे देखते हुए यूजी और पीजी की पढ़ाई के लिए अलग-अलग बिल्डिंगों में ब्लॉक बनाए जाएंगे. इडीपीआर तैयार कर शासन को भेजा जाएगा.

प्रो. आलोक कुमार राय, वीसी

सभी सुविधाएं होंगी

एलयू की खाली भूमि पर ये इमारतें बनाई जाएंगी. इनमें सिर्फ क्लास लगेगी बल्कि कैंटीन, आधुनिक टॉयलेट, सीसीटीवी, ऑनलाइन लर्निंग सिस्टम आदि की सुविधाएं भी होंगी. ऐसी तीन बिल्डिंगों में ओल्ड कैंपस के अधिकतर विभाग आ जाएंगे.

THE PIONEER PAGE 3

Psychology dept organises declamation competition

Lucknow (PNS): The department of Psychology, Lucknow University, organised a declamation competition as a part of the 'Mission Shakti' programme series under which different departments of the university are organising different activities to promote women empowerment and spread awareness about issues related to gender-based discrimination. The topic of the declamation competition was 'female foeticide'.

The participants elaborated upon several dimensions of this social evil and ways to eradicate it. Prof Sheela Mishra, coordinator of the university's Mission Shakti programme, was also present on the occasion. Head of the department of Psychology Prof Madhurima Pradhan said: "Such kinds of competitions encourage students to look around and think about the problem while they scribble their speeches, and this is why we want them to look at the problem and recognise it."

The department of Psychology also organised an online panel discussion on 'Fighting female foeticide: Issues and challenges.' Former principal and head of the department of Psychology (Kanpur University) Dr Nutan Vohra, who was one of the panellists, said: "Youths can bring the change and psychologists can play an important role."

Director of community empowerment lab Aarti Kumar said: "Female foeticide is an outcome of a deeper problems prevalent in the society and we need to work on that problem."

PIONEER PAGE 4

व्यावहारिक स्तर पर भी प्रशिक्षित और तैयार रहने की आवश्यकता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ शक्ति संवाद

उत्पीड़न के विरुद्ध लड़कियों के सशक्तीकरण विषयक प्रशिक्षण के सर्वाधिक प्रभावशाली स्थल विद्यालय और विश्वविद्यालय होते हैं, क्योंकि यहाँ ऐसे प्रशिक्षण को आत्मसात् करने और उन्हें प्रयोग में लाने के लिये अपेक्षित आत्मविश्वास जाग्रत करने के प्रयासों की दृष्टि से सबसे अनुकूल और व्यावहारिक परिस्थितियाँ हो सकती हैं। रविवार को यह विचार निर्भया केस की वकील रहीं उच्चतम न्यायालय की अधिवक्ता सीमा समृद्धि ने व्यक्त किये।

मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत लखनऊ विश्वविद्यालय के तिलक महिला छात्रावास में आयोजित शक्ति संवाद में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल अधिवक्ता सीमा समृद्धि ने कहा कि केवल शिक्षित या उच्चशिक्षित होने मात्र से महिलाओं को वास्तविक सशक्तीकरण और सुरक्षा प्राप्त नहीं हो जाती है। निर्भया फीजियोथेरेपिस्ट थी, हैदराबाद की प्रियंका डाक्टर थी, लेकिन अपराधियों के दुस्साहस के कारण उनके साथ दुर्घटनाएँ घटीं। इसलिए केवल सिद्धान्त और लिखापढ़ी के स्तर पर ही नहीं बल्कि व्यावहारिक स्तर पर भी प्रशिक्षित और तैयार रहने की आवश्यकता होती है। मानसिक दृढ़ता और आत्मविश्वास जाग्रत करने के उपाय करने होते हैं। इस लिहाज से मुख्यमन्त्री योगी द्वारा प्रारम्भ की गई मिशन शक्ति की पहल प्रशंसनीय है। शैक्षणिक संस्थाओं के नेतृत्व की भूमिका इस दृष्टि से बहुत महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यदि दुस्साहस का दमन इसी स्तर पर होता हुआ दिखेगा, तो इससे पूरी पीढ़ी और समाज को संदेश पहुँचेगा। कार्यक्रम के प्रारम्भ में तिलक छात्रावास की प्रोवोस्ट डा भुवनेश्वरी भारद्वाज ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि मिशन शक्ति स्त्री की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलम्बन से सम्बन्धित है। सुरक्षा उसी की हो सकती है, जिसका पहले से वजूद हो, व्यवस्था में वही बना रह सकता है, जो एक व्यवस्था के अन्तर्गत हो। व्यवस्था के लिये मर्यादा तथा अनुशासन आवश्यक है और अनुशासन के लिए इसके उल्लंघन का दुस्साहस करने वालों का दमन।

AMRIT VICHAR PAGE 2

स्नातक विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं का शेड्यूल जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय व संबद्ध महाविद्यालयों में स्नातक की विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं अब विश्वविद्यालय इसी माह से करायेगा। इस संबंध में विश्वविद्यालय की ओर सूचना जारी कर दी गयी है। साथ ही परीक्षा का शेड्यूल भी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। इस बारे में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि परीक्षाएं 28 जनवरी से शुरू हो जायेगी। जिसमें बीए तृतीय सेमेस्टर, प्रातः नौ बजे से 10.30 बजे तक बीकाम तृतीय एवं पंचम दोपहर 12 बजे से दिन में 1.30 बजे तक और बीएससी तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर के साथ बीए पंचम की परीक्षाऐं 3.00 बजे से 4.30 बजे तक तीन पालियों में आयोजित की जायेंगी। उन्होंने कहा परीक्षा के दौरान सभी परीक्षार्थियों को कोविड–19 की गाइडलाइन का पालन करने के लिए निर्देश दिया गया है।

AMRIT VICHAR PAGE 2

शक्ति संवाद | लविवि में महिला सशक्तीकरण अभियान के तहत सुप्रीम कोर्ट की वकील सीमा समृद्धि ने रखे विचार

मात्र शिक्षित होने से महिलाओं को नहीं मिलती सुरक्षा

अमृत विचार, लखनऊ

तिलक महिला छात्रावास में आयोजित शक्ति- संवाद में विचार व्यक्त करतीं सीमा समृद्धि।

उत्पीड़न के विरुद्ध छात्राओं के सशक्तीकरण विषयक प्रशिक्षण के सर्वाधिक प्रभावशाली स्थल विद्यालय और विश्वविद्यालय होते हैं, क्योंकि यहां ऐसे प्रशिक्षण को आत्मसात् करने और उन्हें प्रयोग में लाने के लिए अपेक्षित आत्मविश्वास जाग्रत करने के प्रयासों की दृष्टि से सबसे अनुकूल और व्यावहारिक परिस्थितियां हो सकती हैं।

यह विचार निर्भया केस की वकील रहीं उच्चतम न्यायालय की अधिवक्ता सीमा समृद्धि ने व्यक्त किये। वे मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत लखनऊ विश्वविद्यालय के तिलक महिला छात्रावास में आयोजित शक्ति-संवाद में मुख्य अतिथि तथा परिचर्चाकार के रूप में छात्राओं को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि केवल शिक्षित या उच्चशिक्षित होने मात्र से महिलाओं को वास्तविक सशक्तीकरण और सुरक्षा प्राप्त नहीं हो जाती है। निर्भया फीजियोथेरेपिस्ट थी, हैदराबाद की प्रियंका डाक्टर थी, लेकिन अपराधियों के दुस्साहस के कारण उनके साथ दुर्घटनाएं घटीं। इसलिए केवल सिद्धान्त और लिखापढ़ी के स्तर पर ही नहीं बल्कि व्यावहारिक स्तर पर भी प्रशिक्षित और तैयार रहने की आवश्यकता होती है। मानसिक दृढ़ता और आत्मविश्वास जाग्रत करने के उपाय करने होते हैं। इस लिहाज से मुख्यमन्त्री योगी द्वारा प्रारम्भ की गई मिशन शक्ति की पहल प्रशंसनीय है। शैक्षणिक संस्थाओं के नेतृत्व की भूमिका इस दृष्टि से बहुत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यदि दुस्साहस का दमन इसी स्तर पर होता हुआ दिखेगा, तो इससे पूरी पीढी और समाज को संदेश पहुंचेगा।

सुरक्षा उसी की जिसका पहले से वजूद हो

कार्यक्रम में शामिल तिलक छात्रावास की प्रोवोस्ट डा. भुवनेश्वरी भारद्वाज ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि मिशन शक्ति स्त्री की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलम्बन से सम्बन्धित है। सुरक्षा उसी की हो सकती है, जिसका पहले से वजूद हो, व्यवस्था में वही बना रह सकता है, जो एक व्यवस्था के अन्तर्गत हो। व्यवस्था के लिये मर्यादा तथा अनुशासन आवश्यक है, और अनुशासन के लिए इसके उल्लंघन का दुस्साहस करने वालों का दमन। काफी देर तक चले शंका समाधान सत्र में छात्राओं के सवालों के जबाव सीमा समृद्धि के द्वारा दिये गये। छात्रावास की अन्तेवासिनी छात्राओं द्वारा मिशन शक्ति से सम्बन्धित रंगोली तथा पुष्पसज्जा की गई। सोनाली और संसृता ने कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन किया।

JAGRAN CITY PAGE I & IV

28 जनवरी से होंगी स्नातक की सेमेस्टर परीक्षाएं

जागरण संवाददाता, लखनऊ: 28 जनवरी से लखनऊ विश्वविद्यालय में शुरू हो रही बीए, बीएससी और बी.कॉम की सेमेस्टर परीक्षाओं का समय घटाकर कम कर दिया गया है। अब छात्रों को डेढ़ घंटे ही मिलेंगे। लविवि प्रशासन ने रविवार को इसे लेकर दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं।

परीक्षा नियंत्रक प्रो. आनंद मुरारी सक्सेना ने बताया कि बीए तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा सुबह नौ से 10.30 बजे के बीच, बी.कॉम तृतीय एवं पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा दोपहर 12 से 1.30 बजे के बीच, बीएससी तृतीय, पांचवें सेमेस्टर और बीए पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं दोपहर तीन से 4.30 बजे के बीच होंगी। प्रश्नपत्र बहुविकल्पीय प्रश्न पर आधारित रहेगा। परीक्षा तीन पालियों में होगी। परीक्षा कार्यक्रम आधिकारिक वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर जारी कर दिया।

वहीं, इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंस की एमबीए तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 27 जनवरी से शुरू होंगी और 10 फरवरी तक चलेंगी। परीक्षा सुबह 10 बजे से 11 बजे के मध्य होंगी। परीक्षाएं आइएमएस परिसर में होंगी। एलएलबी इंटीग्रेटेड के नौवें सेमेस्टर की परीक्षा 29 जनवरी से शुरू होगी। परीक्षा दोपहर 2 बजे से होगी। एलएलबी इंटीग्रेटेड के तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 28 जनवरी से शुरू होगी।

लविवि के शेर, राजभवन की टीम के सामने ढेर

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम और राजभवन की टीम के बीच रविवार को क्रिकेट मैच हुआ। टॉस लखनऊ विश्वविद्यालय ने जीता। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने पहले फील्डिंग का फैसला लिया। राजभवन की टीम ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन दिखाते हुए 12 ओवरों में पांच विकेट के नुकसान पर 72 रन बनाए। राजभवन की ओर से कप्तान अशोक देसाई ने सर्वाधिक 44 रन बनाए। विवि टीम से विपुल मिश्रा ने तीन ओवर में मात्र 10 रन देकर दो विकेट और राजीव ने तीन विकेट चटकाए।

जवाबी पारी में लखनऊ विवि को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। विवि टीम ने 11.3 ओवरों में सभी विकेट खोकर महज 29 रन बनाए। राजभवन की ओर से प्रभाकर पांडेय ने सर्वाधिक दो विकेट लिए और चार विकेट रन आउट हुए। लखनऊ विश्वविद्यालय की अपनी पारी में डॉ. विद्यानंद त्रिपाठी ने सर्वाधिक छह रन बनाए। मैच के बाद राज्यपाल ने आनंदीबेन पटेल ने दोनों टीमों को बधाई दी। कहा कि ऐसे खेल कूद के माहौल से मन और शरीर को स्फूर्ति मिलती है। उन्होंने विजेता राजभवन टीम को एक लाख रुपये और लविवि की पराजित टीम के लिए 51 हजार की राशि के पुरस्कार की घोषणा की।

TOI PAGE 2

Raj Bhawan humbles LU by 43 runs in friendly cricket match

TIMES NEWS NETWORK

LU VC plays a shot during the friendly match on Sunday

Lucknow: Dressed in jerseys and with pads and helmets on, Lucknow University team struggled to save its wickets on Raj Bhawan ground.

Captain and LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai won the toss and opted to field first, but lost the match as Governor's OSD Ashok Desai played a captain's knock.

He made victory tough for LU in a friendly cricket match between Lucknow University and Raj Bhawan on Sunday.

The varsity lost by 43 runs chasing a score of 72 runs. The Raj Bhawan team got a solid start when the opening batsman Desai stroked four fours scoring 44 runs in 38 balls. Desai remained not out and made his team set a target of 72 runs in 12 overs for LU.

Batting next, LU team got a shocker when its star batsman Prof Rajiv Manohar got bowled after scoring just one run. Proctor Dinesh Kumar could not save his team and also got out at 1 run. The vice-chancellor struggled to reach the crease on time and was run out by Desai. The entire team got out at 29 runs in 11.3 overs. The winning team won a price of Rs 1 lakh, while LU was awarded Rs 51,000.

TOI PAGE 3

LU students depict stress, struggle of farmers via art

Show Solidarity With Farmers' Protest In Delhi

Pragati Shukla | TNN

Ajay Kumar

The artwork has been installed by students of College of Fine Arts and Crafts, Lucknow University

Lucknow: Crops are ready to be harvested but farmers are on the roads protesting. The stress, struggle and disappointment of protesting farmers against new farm laws have been depicted by students of the College of Fine Arts and Crafts, Lucknow University, through artwork.

To express their solidarity, a team of four students has put up an art installation using bamboo, earthen pots, straws, and clothes to depict a scene of the stressed mental and physical state of the protesting farmers.

"The hanging scarecrow-like structures from a tree made from bamboo and earthen pots depict farmers committing suicide as they are sad," said Suneel Kumar, a student of master's of visual arts and one of the team members.

BFA student Niharika Singh said, "We have also made cruel ravens which symbolise corporates eyeing to make profit from farmers' hard work."

MFA student Vishal Gupta said, "The seeds sown are symbolic of the hardships faced by a farmer who grows a crop with sweat and toil."

"The installation is a voice in support of the farmers and how we should honour them as they provide food to us and are the basic unit of agricultural development," said Jay Narayan, another student.

Faculty in Kanpur University Ajay Kumar, who guided the students, said, "We had sown wheat and have used the live plants as crops."

The installation was made under the guidance of assistant professor Dharmendra Kumar. The artwork will remain installed till the protest continues.

LU undergrad exams to be held in 3 shifts

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The undergraduate examinations in Lucknow Unversity will be held in three shifts to pace up academic session which is delayed by around two months. The 1.5 hour examination on multiple-choice question pattern will be held from 9am to 10.30 am, 12pm to 1.30pm, and from 3pm to 4.30pm.

LU had declared the examination schedule for undergraduate students of BA, BSc, and BCom on Friday. The semester examinations (III & V) will begin from January 28.

The examination of BA semester III students will be held from 9am to 10.30am and of BA semester V from 3pm to 4.30p.m.

The examination of BCom III and V semesters will be held from 12pm to 1.30pm and of BSc III and V from 3pm to 4.30pm.

The examination of management course BBA III & V semesters will be held from January 27.

HT PAGE 4

LU TO OFFER COURSES IN DATA SCIENCES, COMPUTER TECH

LUCKNOW : In the upcoming academic session, Lucknow University plans to launch courses related to data sciences. These will focus on advancements in the field of computer technology and machine learning. As per plan, the department of engineering at the university will start a course on applied computer sciences along with a bachelor's course in data sciences.

"The university administration upgrades it courses from time to time as per the requirement and demand of present time. The new proposed courses are in demand and are need of the hour," said Durgesh Srivastav, spokesperson, LU.

The course of applied computer science will include artificial intelligence, computer processes, machine learning, smart automatons, robotics and mega data analysis. These aspects are widely used in modern-day computer technologies, according to experts. HTC